Cj – आओ मेरा पीछा करो, और मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि लोगों के लिए मछली कैसे पकड़ें मत्ती ४:१८-२२; मरकुस १:१६-२०; लूका ५:१-
११ | 1

– Save This Page as a PDF–

आओ मेरा पीछा करो, और मैं तुम्हें दिखाऊंगा

कि लोगों के लिए मछली कैसे पकड़ें

मत्ती ४:१८-२२; मरकुस १:१६-२०; लूका ५:१-११

खोदाई: यीशु ने उन मछुआरों को क्या निमंत्रण दिया? उनकी प्रतिक्रिया में क्या असामान्य लगता है? आपके अनुसार उनके पास मसीह के बारे में पहले से क्या ज्ञान था (मत्ती ४:१३ और १७ देखें)? स्वयं को शमौन के रूप में चित्रित करें। लूका ५:१-३ में आप क्या सोच रहे हैं, क्या कर रहे हैं, क्या महसूस कर रहे हैं? लूका ५:४ में प्रभु आपसे सीधे कब बात करते हैं? आप उसके अजीब अनुरोध के साथ क्यों जाते हैं? इसका उस पर उसकी सास के उपचार से भी अधिक गहरा प्रभाव कैसे पड़ा? वह गलील के रब्बी के बारे में क्या समझने लगा है?

चिंतन: आध्यात्मिक रूप से, क्या आप अभी भी जाल तैयार कर रहे हैं? नाव छोड़ रहे हैं? या मसीहा का कठोरता से अनुसरण कर रहे हैं? क्या आप पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं? प्रेरितों ने अपना पेशा और अपनी आय का स्रोत छोड़ दिया। उन्हें विश्वास था कि वह उनकी ज़रूरतें पूरी करेगा। क्या हम भी वैसा ही करते हैं? प्रभु ने पतरस से कहा: डरो मत। उन्होंने ऐसा क्यों कहा? जब आप येशुआ का अनुसरण करने के लिए खुद को पूरी तरह से प्रतिबद्ध करने के बारे में सोचते हैं, तो आप किस बात से डरते हैं? क्यों? आपको यीशु से कब और कैसे प्यार हुआ?

खोये हुए को पाप से बचाना प्रभु की सबसे बड़ी चिंता है। यहाँ तक कि यीशु दाऊद के अविश्वासी नगर के लिये फूट-फूटकर रोने लगा, और सिसकने लगा: यरूशलेम, हे यरूशलेम, तू जो भविष्यद्वक्ताओं को मार डालता है, और जो तेरे पास भेजे जाते हैं उन पर पथराव करता है। मैं ने कितनी बार चाहा कि जैसे मुर्गी अपने बच्चों को अपने पंखों के नीचे इकट्ठा करती है, वैसे ही मैं भी तेरे बालकों को इकट्ठा कर लूं, परन्तु [उन्होंने] इन्कार किया (मत्ती २३:३७)! परमेश्वर ने अपने पुत्र को पृथ्वी पर भेजा – उपदेश देने, मरने और पुनर्जीवित होने के लिए – मानव जाति को पाप से बचाने के उद्देश्य से (यूहन्ना ३:१६)। मसीह ने स्वयं के बारे में कहा: मनुष्य का पुत्र खोए हुए को ढूंढ़ने और बचाने आया है (लूका १९:१०)। शवूओट के बाद ईश्वर की सभाओं के लिए इंजीलवाद सबसे बड़ी चिंता का विषय था। उन्होंने प्रेरित के चरणों में अध्ययन किया, एक-दूसरे के साथ साझा किया, और प्रभु की स्तुति करते हुए उन्होंने सभी लोगों के पक्ष का आनंद लिया। और जो उद्धार पा रहे थे उनको प्रभु प्रति दिन उन में मिला देता था (प्रेरितों २:४२-४७)। इंजीलवाद तब से वफादार विश्वासियों के

Cj – आओ मेरा पीछा करो, और मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि लोगों के
लिए मछली कैसे पकड़ें मत्ती ४:१८-२२; मरकुस १:१६-२०; लूका ५:१-
११ | 2

दिल की धड़कन रहा है।

अनुवादित ग्रीक शब्द इंजीलाइज़ के रूप ब्रिट चादाशाह में पचास से अधिक बार पाए जाते हैं। सुसमाचार प्रचार महान आयोग का प्राथमिक जोर है: इसलिए जाओ और सभी राष्ट्रों को शिष्य बनाओ (मत्ती २८:१९ए)। जबकि कुछ लोगों के पास इंजीलवाद का आध्यात्मिक उपहार है (इफिसियों ४:११), हम सभी को इंजीलवादी बनना है। शिष्य बनाने का अर्थ है सुसमाचार प्रचार करना, लोगों को येशुआ मसीहा के प्रभुत्व के अधीन लाना। परन्तु जब यीशु ने अपने चेलों को अपने पास बुलाया, तो उसने दूसरों को भी बुलाने के लिए उन्हें बुलाया।

येशुआ अपने मिशन को अकेले पूरा कर सकता था, लेकिन उसने इसे अकेले करने का कभी इरादा नहीं किया था। इस घोषणा के साथ कि राज्य निकट था, उसने अपने प्रेरितों को बुलाना जारी रखा। मसीह के जीवन पर इस टिप्पणी में, मैं प्रेरितों और शिष्यों के बीच अंतर करता हूँ। बारहों को प्रेरित या तल्मिडिम (हिब्रू) कहा जाएगा, और जो अन्य उस पर विश्वास करेंगे उन्हें शिष्य कहा जाएगा। हालाँकि यह सच है कि प्रेरित भी शिष्य थे, यह सच नहीं है कि सभी शिष्य प्रेरित थे।

शिष्यत्व की अवधारणा पहली सदी के यहूदी धर्म के लिए कोई नई बात नहीं थी। किसी भी महत्वपूर्ण रब्बी के वफादार अनुयायी होंगे जिन्हें अनुसरण और सीखने दोनों की प्रतिबद्धता के लिए बुलाया जाएगा – इस प्रकार टैल्मिड (एकवचन) शब्द का अर्थ है सीखने वाला। तल्मिड एक रब्बी को “जुए” देता था, और निर्देश के लिए खुद को रब्बी के अधीन कर देता था। रब्बियों ने सिखाया कि टैल्मिड को “उसके पैरों की धूल से ढक दिया जाएगा” क्योंकि वह बहुत करीब से उसका पीछा करेगा। एक प्रमुख रब्बी के शिष्य के रूप में चुना जाना एक बड़ा सम्मान था। इसका मतलब केवल जानकारी देना भर नहीं था, बल्कि इसमें किसी के रब्बी के साथ घनिष्ठ व्यक्तिगत संबंध भी शामिल था। हलाखा शब्द का अनुवाद आमतौर पर उस रास्ते से किया जाता है जिस पर कोई चलता है। यह शब्द हिब्रू मूल हेइ-लम्ड-काफ से लिया गया है, जिसका अर्थ है जाना, चलना या यात्रा करना। इस प्रकार, एक टैल्मिड का लक्ष्य हलाखा की नकल करना और उसे कायम रखना होगा। टोरा और हलाखा का ज्ञान वर्षों के शिक्षण और नौकरी प्रशिक्षण के बाद तल्मिड में स्थानांतरित कर दिया गया था, ताकि एक दिन उसके पास अपना खुद का तल्मिडिम (बहुवचन) हो।

यहां यीशु ने पतरस और अन्द्रियास को हलाखा, या पूर्णकालिक मंत्रालय के लिए बुलाया है (फिलेप्पुस और नतनएल का उल्लेख नहीं किया गया है, लेकिन यह निहित है कि उन्हें इसी तरह बुलाया गया था)। फिर येशुआ ने दो और तालिमिडिम, याकूब और उसके भाई युहन्ना को जोड़ा, जिन्होंने पूर्णकालिक मंत्रालय में प्रभु का अनुसरण करने के लिए अपने समृद्ध मछली पकड़ने के व्यवसाय को भी छोड़ दिया। उस समय सात टैल्मिडिम थे।

Cj – आओ मेरा पीछा करो, और मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि लोगों के
लिए मछली कैसे पकड़ें मत्ती ४:१८-२२; मरकुस १:१६-२०; लूका ५:१-
११ | 3



एक दिन यीशु गलील की झील के किनारे टहल रहा था।
यह पानी का एक सुंदर भंडार है, समुद्र तल से लगभग ७०० फीट नीचे, तेरह मील लंबा और आठ मील चौड़ा, वास्तव में एक अंतर्देशीय झील है (लूका इसे गेनेसेरेट झील कहता है और युहन्ना इसे एक बिंदु पर तिबरियास सागर कहता है)। यहूदी इतिहासकार जोसेफस ने बताया कि लगभग २४० नावें थीं जो नियमित रूप से इसके जल में मछलियाँ पकड़ती थीं। लोग उसके चारों ओर भीड़ लगाकर परमेश्वर का वचन सुन रहे थे (मत्ती ४:१८ए; मरकुस १:१६ए; लूका ५:१ए)

उसने दो भाइयों को देखा, शमौन ने पतरस (हिब्रू: केफ़ा) और उसके भाई अन्द्रियास को बुलाया। चूँकि शमौन पहली सदी के फ़िलिस्तीन में सबसे आम नामों में से एक था (हम मत्ती १०:४, १३:५५, २६:६, २७:३२ में चार अन्य शमौन देखेंगे), वह उपनाम जिसके द्वारा हमारे प्रभु उसे पहचानते थे (और विशेष रूप से उसे बारहों में से दूसरे शमौन से अलग करने के लिए)। वे समुद्र में जाल डाल रहे थे क्योंकि वे मछुआरे थे (मत्तीयाहु ४:१८बी; मरकुस १:१६बी; लूका ५:१बी)।

शमौन एक साधारण, अशिक्षित व्यक्ति था जो येशुआ को गर्मियों के दौरान उनकी पिछली मुलाकात से जानता था, क्योंकि वह और कुछ अन्य लोग तबघा के पास तट के नीचे गर्म खनिज झरनों में उष्णकटिबंधीय मस्ट मछली के लिए मछली पकड़ रहे थे। उस समय, यीशु ने शिमोन और उसके भाई अन्द्रियास को अपने साथ शामिल होने के लिए बुलाया था क्योंकि वह पूरे गलील में प्रचार कर रहा था। जबकि पतरस ने शुरू में मसीह के आह्वान को एक तालमिद के रूप में स्वीकार किया था, उसकी देखभाल के लिए एक पत्नी और सास भी थी। परन्तु अब नाज़रीन वापस आ गया था, अपनी नाव के सामने खड़ा था।

भीड़ इतनी अधिक थी कि मसीहा के लिए लोगों को संबोधित करने के लिए पर्याप्त जगह नहीं थी। उसने पानी के किनारे दो नावें देखीं, जिन्हें मछुआरों ने वहां छोड़ दिया था, जो रेत और कंकड़ से अपने जाल धो रहे थे, जिससे रात के काम से जाल फंस जाते। वह उन नावों में से एक पर चढ़ गया जो शिमोन की थी, और उससे किनारे से थोड़ा हटने को कहा। तब वह बैठ गया और नाव पर से लोगों को उपदेश देने लगा (लूका ५:२-३)। वह हमेशा बैठकर शिक्षा देते हैं जो एक रब्बी की मुद्रा है। जिन दिनों वे उपदेश देते थे, भीड़ उन्हें ढूँढ़ने लगती थी। सुबह के सूरज ने झील की प्रतिबिंबित सतह को प्रतिबिंबित किया और पूरे दृश्य को रोशन कर दिया।

Cj – आओ मेरा पीछा करो, और मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि लोगों के
लिए मछली कैसे पकड़ें मत्ती ४:१८-२२; मरकुस १:१६-२०; लूका ५:१-
११ | 4

जब वह बोलना समाप्त कर चुका, तो शमौन से कहा, गहरे पानी में जाकर मछलियाँ पकड़ने के लिये जाल डालो (लूका ५:४)। पतरस एक अनुभवी मछुआरा था जो मछलियों की आदतों को जानता था। मछली पकड़ना आम तौर पर रात में किया जाता था; क्योंकि तभी मछलियाँ पानी की सतह पर भोजन करने के लिए गहराई से उठीं। जब तक अंधेरा था मछली सतह पर ही पड़ी रही। लेकिन जब रात बीत गई और सूरज निकला, तो मछली फिर से झील की गहराई में उतर गई। मछली पकड़ने का व्यापार करने वाले जानते थे कि दिन के समय मछली पकड़ने का प्रयास करना बेकार था।

लेकिन केफ़ा थक गया था और निराश हो गया था। वह लगातार चौबीस घंटे तक जागता रहा, अपनी छोटी सी नाव को झील पर चलाता रहा और बार-बार अपने जाल गिराता रहा। जाल खींचने के लिए किनारे की ओर झुकने के कारण शायद उसकी पीठ में दर्द हो रहा था। वह बिना किसी सफलता के बार-बार अंतर्देशीय समुद्र के अंदर और बाहर जा रहा था। उसे पेय और भोजन की आवश्यकता थी। उसे थोड़ी नींद की जरूरत थी. लेकिन सबसे बढ़कर, उसे अपना कर चुकाना था, और मछली पकड़ने की उस निष्फल रात ने कोई मदद नहीं की।

तो शमौन ने उत्तर दिया: रब्बी, हमने पूरी रात कड़ी मेहनत की है और कुछ भी हासिल नहीं कर सके। क्या आपके पास कोई घिसा हुआ, गीला, खाली जाल है? क्या आप नींद हराम, असफलता की रात का अहसास जानते हैं? बेशक तुम्हारे पास है। आप किस लिए कास्टिंग कर रहे हैं?

शोधनक्षमता? “मेरा कर्ज़ मेरे गले की फांस है..।”

आस्था? “मैं विश्वास करना चाहता हूं, लेकिन . . ।”

एक सुखी विवाह? “मैं कुछ भी करूं कुछ फर्क नहीं पड़ता । . ।”

आप कहते हैं, “मैंने पूरी रात कड़ी मेहनत की है और कुछ भी हासिल नहीं कर सका।”

आपने वही महसूस किया है जो पतरस ने महसूस किया। आप वहीं बैठे हैं जहां पतरस बैठा था। और अब यीशु आपसे मछली पकड़ने जाने के लिए कह रहे हैं। वह जानता है कि तुम्हारे जाल खाली हैं। वह जानता है कि तुम्हारा हृदय थका हुआ है। वह जानता है कि आप गंदगी से मुंह मोड़ने और इसे जीवन कहने के अलावा और कुछ नहीं चाहेंगे।

लेकिन वह आग्रह करते हैं, “फिर से प्रयास करने में बहुत देर नहीं हुई है।”

देखें कि क्या पतरस का उत्तर आपको अपना उत्तर तैयार करने में मदद नहीं करेगा।

शमौन को लगा कि वह मछली पकड़ने के बारे में येशुआ से अधिक जानता है। केफा के अनुभव ने उसे बताया कि दिन के समय जाल डालना बेकार होगा। परन्तु तू ऐसा कहता है, इसलिये मैं जाल डालूंगा। (लूका ५:५) एक आज्ञाकारी शिष्य होने के नाते उसने अपना

Cj – आओ मेरा पीछा करो, और मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि लोगों के
लिए मछली कैसे पकड़ें मत्ती ४:१८-२२; मरकुस १:१६-२०; लूका ५:१-
११ | 5

जाल बिछा दिया।

जब उन्होंने ऐसा किया, तो उन्होंने इतनी बड़ी संख्या में मछलियाँ पकड़ीं कि उनके जाल टूटने लगे। अत: उन्होंने दूसरी नाव में अपने साथियों को संकेत किया कि आओ और हमारी सहायता करो, और उन्होंने आकर दोनों नावें इतनी भर लीं कि वे डूबने लगीं। मछलियों से भरी दोनों नावों का चमत्कार देखना शिमोन केफ़ा को यह विश्वास दिलाने के लिए पर्याप्त था कि वह ईश्वर के पवित्र व्यक्ति की उपस्थिति में था। आवेगी पतरस पर प्रभाव तत्काल था। जब शमौन पतरस ने यह देखा, तो यीशु के घुटनों पर गिरकर कहा, हे प्रभु, मेरे पास से दूर हो जा; मैं एक पापी मनुष्य हूँ (लूका ५:६-८)! यशायाह की तरह, शमौन ने अपनी अयोग्यता व्यक्त की, जिसे किसी को परमात्मा की उपस्थिति में महसूस करना चाहिए।

यदि हम अपनी तुलना किसी और से करते हैं तो हम हमेशा किसी ऐसे व्यक्ति को खोज सकते हैं जो हमसे भी बदतर हो। तो ऐसा मत करो. इसका परिणाम केवल बुरा फल ही होगा। हमें जो एकमात्र तुलना करनी चाहिए वह यीशु मसीह के पूर्ण मानक के साथ है। वह हमारे एक के दर्शक हैं। जब हम ऐसा करते हैं, तो हमारा एकमात्र निष्कर्ष पतरस के समान ही हो सकता है। हम वास्तव में पापी हैं.

क्योंकि वह और उसके सब साथी इतनी मछलियाँ पकड़ने से चकित हुए, और शमौन के साझीदार जब्दी के पुत्र याकूब और यूहन्ना भी चकित हुए। तब यीशु ने शिमोन को सांत्वना देते हुए कहा, “डरो मत। आओ, मेरे पीछे हो लो, और अब से मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि लोगों के लिए मछलियाँ कैसे पकड़ें” (मत्ती ४:१९; मरकुस १:१७; लूका ५:९-१०बी)। आइए, यह उनके पसंदीदा शब्दों में से एक लगता है:

अब आओ, और हम मिलकर तर्क करें, यद्यपि तुम्हारे पाप लाल रंग के हैं, तौभी वे हिम के समान श्वेत हो जाएंगे (यशायाह १:१८ एनएएसबी)।

जो कोई प्यासा हो वह मेरे पास आकर पीए (योचनन ७:३७ एनसीबीवी)।

तुम सब जो थके हुए और बोझ से दबे हुए हो, मेरे पास आओ, मैं तुम्हें विश्राम दूंगा (मत्ती ११:२८)। यह सब दिल को झकझोरने से शुरू होता है। इसका मतलब यह नहीं है कि हमारा विश्वास नासमझ है, लेकिन हममें से अधिकांश के लिए यीशु का अनुसरण करना प्रेम में पड़ने जैसा है। ऐसा कहा गया है कि “हम कारणों से लोगों की प्रशंसा करते हैं; हम उनसे बिना किसी कारण के प्यार करते हैं।” यह केवल इसलिए होता है क्योंकि वे वही हैं जो वे हैं। और मैं, यीशु ने कहा: जब मैं पृथ्वी पर से उठाऊंगा, तो सभी लोगों को अपनी ओर खींचूंगा (यूहन्ना १२:३२)। हाँ, हम मसीहा का अनुसरण उसके कहे अनुसार करते हैं – उसके शब्द महत्वपूर्ण हैं; परन्तु जो कुछ वह है उसके कारण हम भी उसका अनुसरण करते हैं।

Cj – आओ मेरा पीछा करो, और मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि लोगों के
लिए मछली कैसे पकड़ें मत्ती ४:१८-२२; मरकुस १:१६-२०; लूका ५:१-
११ | 6



उनके शिष्यों की आज्ञाकारिता तत्काल थी।
शमौन पतरस और उसका भाई अन्द्रियास तुरन्त अपना जाल छोड़कर उसके पीछे हो लिए (मत्ती ४:२०; मरकुस १:१८)। आज्ञाकारिता वह चिंगारी है जो जुनून की आग को प्रज्वलित करती है। केफ़ा ने अंततः पुरुषों और महिलाओं को पकड़ लिया। याद रखें कि उसने शवूओट पर कितना अच्छा प्रदर्शन किया था? पतरस को प्रभु का उत्तर निश्चित रूप से महत्वपूर्ण था। उनके पहले उपदेश के बाद लगभग तीन हजार आत्माओं को बचाया गया और बपतिस्मा दिया गया (प्रेरितों २:४१)! शिमोन मसीहा के निर्देशों के अनुसार मछली पकड़ रहा था।

एक अच्छे मछुआरे को बनाने वाले कई गुण एक अच्छे प्रचारक बनने में भी मदद कर सकते हैं। सबसे पहले, एक मछुआरे को धैर्य रखने की जरूरत है, क्योंकि वह जानती है कि मछली का झुंड ढूंढने में अक्सर समय लगता है। दूसरा, एक मछुआरे में दृढ़ता होनी चाहिए। यह केवल एक स्थान पर धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करने की बात नहीं है, यह आशा करते हुए कि अंततः कुछ मछलियाँ आ जाएँगी। यह एक जगह से दूसरी जगह जाने और कभी-कभी बार-बार वापस आने की बात है – जब तक कि मछली नहीं मिल जाती। तीसरा, मछुआरे महिलाओं में सही जगह पर जाने और सही समय पर जाल गिराने की अच्छी प्रवृत्ति होनी चाहिए। ख़राब समय के कारण बहुत सी मछलियाँ खो गई हैं, मछलियाँ और इंसान दोनों। चौथा गुण है साहस. वाणिज्यिक मछुआरे, निश्चित रूप से गलील सागर के मछुआरे, अक्सर तूफानों और विभिन्न आपदाओं से काफी खतरे का सामना करते हैं।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक और मछुआरा भी है? शैतान भी मछुआरा है? रब्बी शाऊल हमें दूसरे तीमुथियुस २:२६ सीजेबी में बताता है, जब वह कहता है: ईश्वर पापियों को अवसर दे सकते हैं। . . अपनी इच्छा पूरी करने के लिए दुश्मन द्वारा जीवित पकड़े जाने के बाद, होश में आने और दुश्मन के जाल से बचने के लिए। शैतान का भी पानी में फँसा हुआ है। हालाँकि यह सच है कि ईश्वर आपकी आत्मा के लिए मछली पकड़ रहे हैं, वह बूढ़ा सर्प भी इस दुनिया की चीज़ों से फँसे काँटे से आपकी आत्मा के लिए मछली पकड़ रहा है (प्रथम यूहन्ना २:१५-१७)। आप शायद कह सकते हैं कि प्रभु का हुक क्रूस है। परमेश्वर का पुत्र आपके लिए क्रूस पर मर गया। यह आज आपके लिए पिता का संदेश है। वैसे । . . आज आप किसके चक्कर में हैं? आप या तो ईश्वर के हुक पर हैं या विरोधी के हुक पर। और लाइन से कोई भी विचलित नहीं हो सकता।

इसलिये उन्होंने अपनी नावें किनारे पर खींच लीं, और सब कुछ छोड़कर उसके पीछे हो

Cj – आओ मेरा पीछा करो, और मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि लोगों के
लिए मछली कैसे पकड़ें मत्ती ४:१८-२२; मरकुस १:१६-२०; लूका ५:१-
११ | 7

लिये। (लूका ५:११) यह समझना महत्वपूर्ण है कि यह पतरस, अन्द्रियास, याकूब या युहन्ना के साथ प्रभु की पहली बातचीत नहीं थी (Bp देखें – युहन्ना के शिष्य यीशु का अनुसरण करते हैं)। उन्हें पहले ही विश्वास के लिए बुलाया जा चुका था, और गलील के रब्बी का उनके साथ पहले से ही एक रिश्ता था।

जब वह थोड़ा आगे गया तो उसने दो अन्य भाइयों, जब्दी के पुत्र याकूब और उसके भाई युहन्ना को देखा। जब गैलीलियन रब्बी ने दोनों भाइयों को बुलाया तो वे कठोर, कठोर बाहरी व्यक्ति थे, बिना कटे रत्नों की तरह। उनके पास बहुत कम शिक्षा, थोड़ी आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि और शायद बहुत कम धार्मिक प्रशिक्षण था। वे अपने पिता ज़ेबेदी के साथ एक नाव में थे, अपने जाल तैयार कर रहे थे, जो मछली पकड़ने के व्यवसाय में एक नियमित लेकिन महत्वपूर्ण कार्य था (मत्ती ४:२१; मरकुस १:१९)।

हालाँकि उनके परिवार का नाम ज़ेबेदी या ज़वदाई था, जो ईश्वर के उपहार के लिए हिब्रू था, येशुआ ने बाद में इन दो उत्साही भाइयों को बोएनर्जेस उपनाम दिया, जिसका अर्थ है “गर्जन के पुत्र” (मरकुस ३:१७)। यीशु ने उन्हें वैसे ही बुलाया जैसे उस ने शमौन और अन्द्रियास को बुलाया था, और वे तुरन्त अपने पिता जब्दी को मजदूरों के साथ नाव में छोड़कर उसके पीछे हो लिए (मत्ती ४:२२; मरकुस १:२०)। उनके मामले में शिष्यत्व की कुछ कीमत पारिवारिक संबंधों के टूटने – उनके पिता के व्यवसाय को छोड़ने से संकेतित होती है। किराए के आदमियों के उल्लेख से यह संकेत मिल सकता है कि ज़ेबेदी अमीर था। लेकिन युहन्ना, प्रेरित मानव लेखक, को यह इंगित करने के लिए भी शामिल किया जा सकता है कि अपने पिता को यीशु का अनुसरण करने के लिए छोड़कर, याकूब और युहन्ना उसे मछली पकड़ने का व्यवसाय चलाने के लिए पूरी तरह से अकेला नहीं छोड़ रहे थे। बहरहाल, जोर मसीह के आह्वान पर उनकी तत्काल प्रतिक्रिया पर है।

शिमोन केफ़ा की तरह, भविष्यवक्ता यशायाह के पास भी प्रभु का एक रहस्योद्घाटन था जिसने उसे नम्र और भयभीत कर दिया, “हाय मुझ पर! क्योंकि मैं खो गया हूँ. . . क्योंकि मैं ने अपनी आंखोंसे देखा है। . . प्रभु” (यशायाह ६:५)। हालाँकि, कांस्य वेदी से जलते कोयले के स्पर्श ने उसके पापों को साफ़ कर दिया और उसे सभी दोषों से मुक्त कर दिया। एक बार शुद्ध होने के बाद, यशायाह प्रभु के हृदय की पुकार सुनने में सक्षम हुआ: मैं किसे भेजूं? और हमारे लिए कौन जाएगा? बिना किसी हिचकिचाहट के, यशायाह ने पुकारा: मैं यहाँ हूँ! मुझे भेजो (यशायाह ६:८)

परमेश्वर हममें से प्रत्येक को बुलाना चाहता है, जैसे उसने पतरस और यशायाह को बुलाया था। जैसे ही हम प्रभु को अपने प्रेम से हमें अभिभूत करने की अनुमति देते हैं, हम भी शिष्यत्व की पुकार सुनेंगे। हम जानेंगे कि हम इस तरह के सम्मान के योग्य नहीं हैं, लेकिन हम यह भी जानेंगे कि, पश्चाताप के माध्यम से (प्रथम यूहन्ना १:८-१०), हम स्वयं पुरुषों और महिलाओं के मछुआरे बनने के लिए पवित्र आत्मा द्वारा सशक्त हो सकते हैं।

Cj – आओ मेरा पीछा करो, और मैं तुम्हें दिखाऊंगा कि लोगों के
लिए मछली कैसे पकड़ें मत्ती ४:१८-२२; मरकुस १:१६-२०; लूका ५:१-
११ | 8

जैसे-जैसे यीशु के साथ हमारा रिश्ता गहरा होगा, वैसे-वैसे उसके लिए हमारा प्यार भी बढ़ेगा और, शमौन और यशायाह की तरह, हम उसका अनुसरण करना चाहेंगे। आइए हम प्रभु के सामने खुद को विनम्र करने और हमारे लिए उनके बुलावे को स्वीकार करने से न डरें। मेशियाच का शिष्य होने से बड़ा कोई सम्मान नहीं है, जो उसके राज्य के लिए आत्माओं को पकड़ने में सक्षम हो।

प्रभु यीशु, हमारे पापों को शुद्ध करें और अपनी उपस्थिति से हमें सशक्त बनाएं। हम यहाँ हैं, प्रभु! हमें भेजें! अपने राज्य को आगे बढ़ाने के लिए हमें सशक्त बनाएं! हमें अपनी बातें बोलना सिखाएं और हम जिनसे भी मिलें, उन तक अपना प्यार पहुंचाएं। आमीन